2017

Full Marks : 70

Time : As in the programme

The figures in the right-hand margin indicate marks.

Answer questions in each Section as directed there in.

Answer any three questions from Section-A (12×3=36), Word limit-700-1000

Answer any three questions from Section-B (8×3=24), Word limit-500

Answer any two questions from Section-C (5×2=10), Word limit-300

SECTION-A

Answer any **three** : 12×3=36

1. श्रृंगारिक कवि के रूप में विद्यापति का मूल्यांकन कीजिए ।
2. विद्यापति के अनुकरण में बसंत-एस का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ।
3. पृथ्वीराज रासो मुख्यतः वीर काव्य है—इस कथन की सम्यक् तथा सोदाहरण समीक्षा कीजिए ।
4. 'शाशिव्रता' विवाह खण्ड की विशेषताएँ बताइए ।

5. सिद्धों की विचारधारा का आकलन पठित अंशों के आधार पर कीजिए ।

SECTION-B

$8 \times 3 = 24$

Answer any **three** :

सप्रसंग व्याख्या कीजिए किन्हीं **तीन** की :

6. कालि कहल पिआ साँझहि रे, जाएब मएँ मारुश देश ।
हमे अभागलि नहिं जानल रे, संगहि जइतहुँ सैह देश ॥
हृदय मोर बड़दारुन रे, पिया विनु बिहारि न जाए ॥

× × × × ×

एकहि सयन सखि सुतल रे, अछल बालँम निसि मोर ।
न जानल कखन तेजि गेल रे, बिछुरल चकबा चोर ॥

7. पत्त पुएतन झरिग । पत्त अंकुरिथ उट्ठ तुछ ॥
ज्यों सैसव उत्तरिय । चढिप वैसव किसोर कुछ ॥
शीतल मंद सुगँध । आय रितिराज अवानं ।
रोमराइ अंग नितंब । तुच्छ सरसानं ॥
बहै न सीत छीन ह्वै । लज्जमानं ढंकति फिरै ॥
ढके न पत्त ढकै कहै । बन बसंत मंतजु करै ॥

8. ह्वै पसन्न पंगुरै । दियौ हुकुम गुअ बंध ॥
प्रेरि सत्थ जब अप्प पर । अति पर घर सुअ नंध ।
सज्जि सेन चतुरंग नर । देवग्गिरि कज ब्याह ॥
अति अगनित सथ द्रव्य लिय । नर उच्छव करनाह ॥

9. एक से शुण्डिनी दुइ घरै सान्धाअ
चीअण वाकलअ वारुणी बान्धअ ॥
सहजै थिर करि वारुणी सान्धे ।
जँ अजएमर होइ दिढ कान्धे ॥

10. सासु घरै घालि कोंचा ताला ।
चान्द सुज नेणि पखा फाल ॥
भणइ गुण्डऐ अम्हे कुन्दुरे वीरा ।
नरअ नारी मझें अभिल चीरा ॥

SECTION-C

Answer any **two** : $5 \times 2 = 10$

11. विरह वर्णन की मुख्य विशेषताएँ क्या-क्या है ?
12. 'पृथ्वीराज रासो' की लोकप्रियता के क्या कारण हैं ?
13. बसंत विवाह करने चला तो भ्रमर और कोकिल ने क्या किया ?
14. सिद्धों ने रूढ़िवाद का खण्डन कैसे किया है, बताइए ।

2017

Full Marks : 70

Time : As in the programme

The figures in the right-hand margin indicate marks.

Answer questions in each Section as directed there in

Answer any three questions from Section-A (12×3=36), Word limit-700-1000

Answer any three questions from Section-B (8×3=24), Word limit-500

Answer any two questions from Section-C (5×2=10), Word limit-300

SECTION-A

Answer any **three** : 12×3=36

1. कबीर के दार्शनिक विचारों को लिखिए ।
2. सूफी प्रेमाख्यानक परंपरा में 'पद्मावत' का स्थान निर्द्धारित कीजिए ।
3. सूरदास की भक्ति सब के लिए आदर्श है—इस कथन मूल्यांकन कीजिए ।
4. श्रृंगारिक कवियों में घनानंद का स्थान सर्वश्रेष्ठ है—प्रमाणित कीजिए ।

[Turn over]

5. भक्ति तथा श्रृंगार का समन्वय जैसा बिहारी ने किया है वैसा दूसरों ने नहीं—कारण स्पष्ट कीजिए ।

SECTION-B

Answer any **three** : $8 \times 3 = 24$

सप्रसंग व्याख्या कीजिए किन्हीं **तीन** की :

6. अब तोहि जान न देहूं राम पियारे,
ज्यूं भावै त्यूं होह हमारे ॥
बहुत दिनन के बिछुरे हरि पाये, भाग बड़े घरि बैठे आये ॥
चरननि लागि करौं बरियायी, प्रेम प्रीति राखौं उरझाई ।
इत मन मंदिर रहौ नित चोषै, कहै कबीर परहु मति घोषै ॥

7. सावन बरिस मेह अतिपानी । भरनि भरइ हौं विरह झुरानी ।
लागु पुनर्वसु पीउ न देखा । भै बाउरि कहं कंत सरेखा ।
रकत न आंसु परे भुईं टूटी । रेंगि चलो जनु बीर बहूती ।
सखिन्ह रचा पिउ संग हिंडोला । हरियर भुंइ कुसुंभि तन चोला
हिंय हिंडोल जस डोलै मोए । विरह झुलावै देइ झंकोए ।

8. है कोई वैसीई अनुहारि ।
मधुवन तें इत आत, सखि री ! चितै तु नयन निहारि ।
माथे मुकुट, मनोहर कुंडल, पीत वसन रुचिकारि ।
रथ पर बैठि कहत सारथि सों, ब्रज तन बाँह पसारी ।
जामनि ना हिन पहिचानति हौं मनु बीते जुग चारि ।
सूरदास स्वामी के बिछुरे जैसें मीन बिनु बारि ॥

9. सचिव बैद तीनि जौं प्रिय बोलहिं भय आस ।
राजधर्म तन तीनि कर होइ बेगि हो नास ॥
काम क्रोध मदलोभ सब नाथ नरक के पंथ ।
सब परिहरि रघुवीरहि भजहु भजहिं जेहि संत ॥

10. मेरी भव बाधा हरौ राधा नगारि सोइ ।
जा तन की झाँई परै स्यामु हरित-दुति होइ ।
जोग-जुगति सिखए सबै महामुनि मैन ।
चाहत पिय-अद्वैतता काननु सेवत नैन ॥

SECTION-C

Answer any **two** :

$5 \times 2 = 10$

11. कबीर के 'एम' और तुलसी के 'एम' में क्या अन्तर हैं ?

12. तुलसी और जायसी के महाकाव्यों की भाषा अवधी होने पर भी उनमें काफी पार्थक्य है—सिद्ध कीजिए ।

13. सूर किस धारा के कवि थे ? किस ग्रंथ से उनकी रचनाएँ ज्यादा प्रभावित हैं ?

14. बिहारी और घनानंद की रचना-प्रवृत्ति में क्या पार्थक्य हैं ?

2017

Full Marks : 70

Time : As in the programme

The figures in the right-hand margin indicate marks.

Answer questions in each Section as directed there in.

Answer any three questions from Section-A (12×3=36), Word limit-700-1000

Answer any three questions from Section-B (8×3=24), Word limit-500

Answer any two questions from Section-C (5×2=10), Word limit-300

SECTION-A

Answer any **three** : 12×3=36

1. 'लज्जा' सर्ग के काव्य सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए ।
2. 'राम की शक्ति पूजा' के कथानक का विश्लेषण कीजिए ।
3. 'उर्वशी' के तृतीयसर्ग के आधार पर इसमें व्यक्त स्त्री-पुरुष सम्बन्धों की विवेचना कीजिए ।
4. 'चाँद का मुँह टेढा है' का स्थान लम्बी कविता परंपरा में अद्वितीय है—विचार कीजिए ।
5. 'संसद से सड़क तक' कविता के प्रतिपाद्य पर अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

SECTION-B

Answer any **three** : 8×3=24

किन्हीं **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

6. चंचल किशोर सुन्दरता की
मैं करती रहती रखवाली ।
मैं वह हलकी-सी मसलन हूँ
जो बनती कानों की लाली ।

7. होगा फिर से दुर्धर्ष समर
जड़ से चेतन का निशिवासर,
कवि का प्रतिछवि से जीवन हर, जीवन-भर,
भारती इधर, हैं उधर सकल,
जड़ जीवन के संचित कौशल,
जय, इधर ईश हैं उधर सबल माया कर ।

8. पर जहाँ तक उड़ूँ, इस प्रश्न का उत्तर नहीं हैं ।
मृत्ति महदाकाश में ठहरे कहाँ पर ? शून्य है सब ।
और नीचे भी नहीं सन्तोष,
मिट्टी के हृदय से
दूर होता ही कभी अम्बर नहीं है ।

9. रात का पक्षी
कहता है,
वह चला गया है,

वह नहीं आयेगा, आयेगा ही नहीं
अब तेरे द्वार पर ।
वह निकल गया है, गाँव में शहर में ।

10. मुझे हर वक्त यह खयाल रहता है कि जूते
और पेशे के बीच
कहीं न कहीं एक अदद आदमी है
जिस पर टाँके पड़ते हैं
जो जूते से झाँकती हुई अंगुली की चोट
छाती पर
हथौड़े की तरह सहता है ।

SECTION-C

Answer any **two** : 5×2=10

11. प्रयोगवादी आन्दोलन में अज्ञेय की क्या भूमिका रही ? स्पष्ट कीजिए ।

12. मनु की चारित्रिक विशेषताएँ बताइए ।

13. 'चाँद का मुँह टेढा है' कविता में कवि क्या कहना चाहते हैं ?

14. मोचीराम के विचारों का सम्यक् आकलन कीजिए ।

2017

Full Marks : 70

Time : As in the programme

The figures in the right-hand margin indicate marks.

Answer questions in each Section as directed there in.

Answer any three questions from Section-A (12×3=36), Word limit-700-1000

Answer any three questions from Section-B (8×3=24), Word limit-500

Answer any two questions from Section-C (5×2=10), Word limit-300

SECTION-A

Answer any **three** : 12×3=36

1. 'गोदान' ग्रामीण जीवन का महाकाव्य है—इस कथन की सार्थकता पर विचार कीजिए ।
2. धनिया का चरित्र चित्रण कीजिए ।
3. 'रागदरबारी' में लेखक ने समाज में बढ़ती हुई मूल्यहीनता पर चिंता प्रकट की है—इस कथन की परीक्षा कीजिए ।
4. उपन्यास कला की दृष्टि से 'रागदरबारी' उपन्यास की समीक्षा कीजिए ।

5. कहानी कला की दृष्टि से 'वापसी' *अथवा* 'परिंदे' कहानी की समीक्षा कीजिए ।

SECTION-B

Answer any **three** : 8×3=24

सप्रसंग व्याख्या कीजिए किन्हीं **तीन** की :

6. भविष्य की चिंता हमे कायर बना देती है, भूत का भार हमारी कमर तोड़ देता है । हममें जीवन की शक्ति इतनी कम है कि भूत और भविष्य में फैला देने से वह और क्षीण ही जाती है । हम व्यर्थ का भार अपने ऊपर लाद कर रूढ़ियों और विश्वासों और इतिहासों के भलवे के नीचे दबे पड़े हैं, उठने का नाम नहीं लेते वह सामर्थ्य ही नहीं रही !

7. उसकी वाणी में सत्य का बल था । डरपोक प्राणियों में सत्य भी गूँगा हो जाता है । वह सीमेंट जो ईट पर चढ़कर पत्थर हो जाता है, मिट्टी पर चढ़ा दिया जाय, तो मिट्टी हो जायगा ।

8. सब वर्गों की हँसी और ठहाके अलग अलग होते हैं । काफी-हाउस में बैठे हुए साहित्यकारों का ठहाका कई जनहों से निकलता है, वह किसी के पेट की गहराई से निकलता है, किसी के गले से किसी के मुँह से और उनमें से एकाध ऐसे भी रह जाते हैं जो सिर्फ सोचते हैं कि ठहाका लगाया क्यों गया है ।

9. सरकार को भी जब जमींदारी तोड़ने पर मालूम हो गया है कि यहाँ असली चीज कोई है तो जूता । रंगनाथ ने कहा कि यह भी कोई बात हुई जूते के सहारे लोगों को कब तक तमीज़ सिखायी जायेगी । उस आदमी ने कहा कि जूता तो चलते ही रहना चाहिए, जब तक बदमास की खोपड़ी एक-एक भी बालव रहे जूते का चलना बन्द नहीं होना चाहिए ।

10. रक्खे के गले में स्वीकृति की सद्धभ-सी आवाज निकली । अँगोछा बीच में लिए हुए उसके दोनों हाथ जुड़ गये । गली गली के वातावरण को हसरत भरी नजर से देखता हुआ धीरे-धीरे गली से बाहर चला गया ।

SECTION-C

Answer any **two** : $5 \times 2 = 10$

11. उपन्यास और कहानी के अन्तर को स्पष्ट कीजिए ।

12. 'मेहता' की चारित्रिक विशेषताएँ बताइए ।

13. 'रागदरबारी' उपन्यास की मूल समस्या क्या है ? स्पष्ट कीजिए ।

14. 'खोयी हुई दिशाएँ' कहानी में पारिवारिक एवं दाम्पत्य जीवन की अस्तव्यस्तता का चित्रण है—इसे प्रमाणित कीजिए ।

2017

Full Marks : 70

Time : As in the programme

The figures in the right-hand margin indicate marks.

Answer questions in each Section as directed there in.

Answer any three questions from Section-A
(12×3=36), Word limit-700-1000

Answer any three questions from Section-B
(8×3=24), Word limit-500

Answer any two questions from Section-C
(5×2=10), Word limit-300

SECTION-A

12×3=36

Answer any **three** :

1. रंगमंच की दृष्टि से 'आधे आधूरे' एक सफल नाटक है - प्रमाणित कीजिए।"
2. एकांकीकला के आधार पर 'चासमित्रा' एकांकी की समीक्षा कीजिए।
3. 'कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता' निबंध में महावीर प्रसाद द्विवेदी के विचारों को स्पष्ट कीजिए।

4. निबंध-कला की दृष्टि से 'कविता क्या है' निबंध की समीक्षा कीजिए ।

5. 'अस्ति की पुकार हिमालय' निबंध की तत्त्विक समीक्षा कीजिए ।

SECTION-B

Answer any **three** : 8×3=24

सप्रसंग व्याख्या कीजिए किन्हीं **तीन** की :

6. कैसी बात कर रही हूँ ? यहाँ पर सब लोक समझते क्या हैं मुझे ? एक मशीन, जो कि सब के लिए आटा पीसकर रात को दिन और दिन को रात करती रहती हैं । मगर किसी के मन में जरा-सा भी स्थान नहीं है इस चीज के लिए कि मैं...।

7. तो रक्त के स्थान पर लाल रंग की क्या आवश्यकता ? सच्चा रक्त भरो इनमें । वह तो बहुत मिल सकता है । मैंने कितने रक्त प्रवाह की शारीरिक सीमाएँ नष्ट कर उन्हें पृथ्वी पर बहने की पूर्ण स्वतंत्रता दी है । वहीं से रक्त लो !

8. बेटा, यह कुटुम्ब एक महान वृक्ष है । हम सब इसकी डालियाँ हैं । डालियों ही से पेड़, यह है... और डालियाँ छोटी हो चाहे बड़ी, सब उसकी छाया को बढ़ाती हैं । मैं नहीं चाहता, कोई डाली इससे टूटकर पृथक् हो जाय ।

9. किसी देश का इतिहास पढ़ने से केवल बाहरी हाल हम उस देश का जान सकते हैं पर साहित्य के अनुशीलन से कौम के सब समय-समय के आभ्यन्तरिक भाव हमें परिस्फुट हो सकते हैं ।

10. कविता केवल वस्तुओं के ही रंग-रूप के सौन्दर्य की छटा नहीं दिखाती, प्रत्युत कर्म और मनोवृत्ति के सौन्दर्य के भी अनन्त मार्मिक दृश्य सामने रखती है ।

SECTION-C

Answer any **two** : 5×2=10

11. मोहन राकेश के नाटकों की प्रमुख विशेषताएँ बताइए ।

12. गोपालप्रसाद कौन हैं ? उनके विचार लिखिए ।

13. लक्ष्मण के वन गमन के समय उर्मिला की मनःस्थिति का वर्णन कीजिए ।

14. 'कविता क्या है' निबंध के आधार पर कविता के मुख्य लक्ष्णों पर प्रकाश डालिए ।